दिनांक : 03.07.2017

सेवा में,

पंजाब राज्य मानवाधिकार आयोग
SCO NO. 20-21-22, सेक्टर 34-A,
चंडीगढ - 160034

विषयः पुलिस अधिकारी द्वारा दबंगों के साथ मिलकर झूठी F.I.R. के पीड़ितों को हथकड़ी पहनाकर मौहल्ले में घुमाने के मामले में मानवाधिकार के हनन के अंतर्गत कार्यवाही किये जाने हेतु|

महोदय,

मैं चंद्रकला ठाकुर पत्नि स्व. इंद्रकांत ठाकुर (पताः मकान नं. 14060, गली नं. 2, राम नगर, टिब्बा रोड़, लुधियाना – 141007 Mob. 79735-71454) हूँ|

1. मेरे बेटे मुकेश ठाकुर व पीड़ित लकी उर्फ जयहिंद के खिलाफ पुलिस की मिलीभगत से झूठी F.I.R. नं. 236/2017 दिनांक 23.06.2017 को दर्ज की गई है जिनको 24.06.2017 को मजिस्ट्रेट कोर्ट न. Duty Magistrate में पेश किया गया था जहाँ से 2.00pm बजे के आसपास ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजने का आदेश दिया गया था मगर मजिस्ट्रेट का आदेश होने के बावजूद सीधा जेल में ना पहुँचाकर अमृतपाल सिंह उर्फ विक्की व सुखदेव सिंह के कहने पर पुलिस के अधिकारियों A.S.I. स्वर्ण सिंह व साथी हवलदार ने मेरे बेटे मुकेश व पीड़ित लकी उर्फ जयहिंद को हथकड़ियाँ लगाकर दिनांक 24.06.2017 की शाम को लगभग 4.30pm से 6.30pm बजे के बीच में मौहल्ले में घुमाया जिससे उनके मौलिक अधिकारों का हनन हुआ व पीड़ा हुई इसलिये पुलिस अधिकारियों A.S.I. स्वर्ण सिंह व साथी हवलदार के खिलाफ मानवाधिकार के हनन के अंतर्गत सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये|

2. इस घटना के कई गवाह हैं मगर अमृतपाल सिंह उर्फ विक्की, सुखदेव सिंह व पुलिस के डर की वजह से कोई सामने आने के लिये तैयार नहीं हो रहा है| इस मौहल्ले में जैन कंपनी (गली नं. 2, राम नगर, टिब्बा रोड़, लुधियाना – 141007) भी मौजूद है जहाँ आने-जाने के रास्ते में CCTV कैमरे लगे हैं जिससे आनेजाने वालों की पहचान हो सकती है जिसमें हरेक

वाक्या साफ दिखाई दे सकता है| मेरे द्वारा कंपनी के मालिक से निवेदन भी किया गया था कि वह CCTV फुटेज दे मगर पुलिस के दबाव में उनके द्वारा CCTV फुटेज नहीं दी गई इसलिये दिनांक 24.06.2017 की शाम 4.30pm से 6.30pm बजे तक की CCTV फुटेज जब्त करवाई जाये जिससे पुलिस द्वारा किये गये अपराध के सबूत नष्ट ना हो सकें|

3. ज्ञात हो कि, असल मामले को दबाने के लिये अमृतपाल सिंह उर्फ विक्की व सुखदेव सिंह ने पुलिस के साथ मिलकर झूठी F.I.R. नं. 236/2017 दिनांक 23.06.2017 दर्ज करवाई है|

4. पुलिस के द्वारा हथकडी पहना कर घुमाना सुप्रीम कोर्ट के संविधान का हनन है साथ ही मानवाधिकार का भी हनन है|

5. लकी उर्फ जयहिंद की क्लीनिक से CCTV Camera व प्रिंटर के साथ-साथ अन्य कीमती सामान बिना पंचनामा किये जब्त किये गये जिसको रिकॉर्ड पर भी नहीं लिया गया है|

चंद्रकला ठाकुर

चंद्रकला ठाकुर
Mob. 79735-71454
(शिकायतकर्ता)

संलग्न दस्तावेज़ :

- झूठी आरोपों के आधार पर दर्ज F.I.R. की कॉपी
- जेल वॉरंट

PUNJAB STATE HUMAN RIGHTS COMMISSION
SCO NO. 20-21-22, SECTOR 34-A, CHANDIGARH
Website : www.pshrc.net. Email : pshrc.chd@gmail.com

No. 5714/10/2017 /PSHRC/Judl-/J-2/ Dated 27/7/2017

C46748

To

01 The Addl. Director General of Police, I.V.C. cum-Human Rights, Punjab, Chandigarh. } Through spl. Messenger

02 The Commissioner of Police
Ludhiana

The Senior Superintendent of Police,

3 Chanderbala Thakur D/o Inderkant Thakur
R/o H.No. 14060, Gali No. 2
Ram Nagar Tibba Road,
Ludhiana

Subject - Complaint No. 5714/10/2017 filed by Sh./smt. Chanderbala Thakur. District Ludhiana.

Sir

I am directed to refer to the complaint on the above noted subject and to forward herewith a copy of the order dated 24/7/2017 of the Commission for taking necessary action for its compliance, positively before the next date of hearing, i.e. 4/9/2017.

Photo Copy / Copies of Complaint

is/are enclosed herewith for taking necessary action in the matter.

Yours faithfully

PUNJAB STATE HUMAN RIGHTS COMMISSION
COMPLAINT NO. 5714/10/2017

Chanderkala Thakur wd/o Inderkant Thakur resident of H. No. 14060, Gali No. 2, Ram Nagar Tibba Road, Ludhiana has sent this complaint stating that her son Mukesh Thakur along with Lucky have been implicated in a false case FIR No. 236 dated 23/6/2017 under sections 384/420/511/500/120 B/34 IPC PS Basti Jodewal, Ludhiana and despite order of the court remanding them into the judicial custody they were paraded in their locality with handcuff in an illegal manner with action of police amount to violation of human rights.

We have considered the complaint. In Prem Shankar Shukla v/s Delhi Administration AIR 1988 SC 1535 the Supreme Court has laid down that the police cannot use handcuff in routine manner, it must to used when there is a danger of the person becoming violent or when the person being arrested is likely to escape from custody that too with the prior permission of the Court. In this view of the matter it is a case wherein enquiry is required to be held. Accordingly, cognizance is taken and the Commissioner of Police, Ludhiana is directed to hold an enquiry whether handcuffing of the

accused was necessary and why they were paraded in Mohalla after court had remanded them in judicial custody. Whether any permission for handcuffing therein was obtained from the court. The Commissioner of Police, Ludhiana shall hold enquiry himself or through an officer not below the rank of SP and submit the report before the next date of hearing.

List again on 4/9/2017.

A copy of the complaint and order be sent to the ADGP -Cum- Human Rights, Punjab Chandigarh and Commissioner of Police, Ludhiana for compliance.

A copy of this order be sent to the complainant for information.

Sd/-
(Justice Ashutosh Mohunta)
Acting Chairperson

Sd/-
(Avinash Kaur)
Member

July 24, 2017
'UJL'